अगस्त 2023 वर्ष 2, अंक 7

दयालबाग़ एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)

डी.ई.आई.– मासिक समाचार

“संचार प्रक्रिया (Communications) में सबसे महत्वपूर्ण उन बातों का सुनना है जिन्हे नहीं कहा गया हो।”

—पीटर ड्रकर

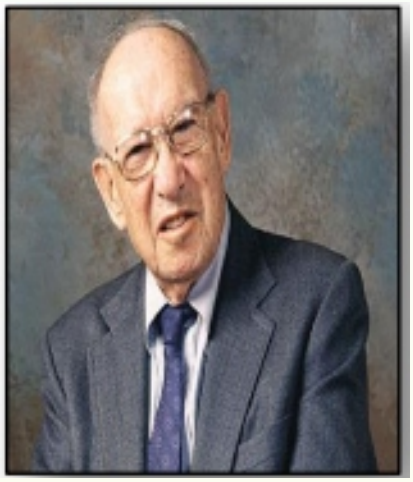

खंड

खंड क : डी.ई.आई.....

खंड ख : डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा.....

खंड ग : डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI).....

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट
(डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा– 282005

विषय–सूची

खंड कः डी.ई.आई.

1. डी.ई.आई. में 77वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन....3
2. (आई–सी–एन–सी) टॉल में होने वाली गतिविधियों पर रिपोर्ट....3
3. डी.ई.आई. आई.सी.टी. Continuing Education केंद्रः सफलता की दास्ताँ....4
संकाय समाचार....5
4. डी.ई.आई. फैकल्टी ऑफ इंटीग्रेटेड मेडिसिन (आयुष) आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी....5
5. समाज विज्ञान संकाय....5
कर्मचारी समाचार....5
6. डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय....5
स्कूल समाचार....5

खंड खः डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ षिक्षा

7. कोऑर्डिनेटर की डेस्क से....6
8. DEI: उद्यमिता के लिए आदिवासी महिलाओं को प्रशिक्षण....7
9. सूचना केन्द्रों से समाचार....8
विभिन्न डी.ई.आई. केंद्रों में स्वतंत्रता दिवस समारोह....8

खंड गः डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AA DEIs & AAFDEI)

10. संपादक की डेस्क से....10
11. जादूई लैम्प (The Magic Lamp)....10
12. परामर्श उत्कृष्टता कार्यक्रमः फीडबैक रिपोर्ट....11
दिल्ली–एन सी आर टीम द्वारा प्रस्तुत....11
13. प्रतिभागियों से प्राप्त प्रतिक्रिया टिप्पणियाँ (शब्दशः, verbatim)....11
अगले कदम....12
दिल्ली एन सी आर AADEIs चैप्टर टीम से....12
14. पूर्व छात्र बाइट्स....12
प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड....12

खण्ड 'क' : डी.ई.आई.

डी.ई.आई. समाचार

डी.ई.आई. में 77वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), दयालबाग़, आगरा में 77वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डी.ई.आई. के निदेशक प्रोफेसर प्रेम कुमार कालरा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया। इसके बाद, डी.ई.आई. बैंड की शानदार धुनों पर, एक शानदार मार्च पास्ट शुरू हुआ जिसमें डी.ई.आई. के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और संकायों के प्रतियोगियों ने जबरदस्त जोश और गंभीरता के साथ भाग लिया। डी.ई.आई. के छात्रों के एक समूह द्वारा देशभक्ति गीत की मधुर प्रस्तुति और ड्रोन के माध्यम से आकाश में फहराए गए राष्ट्रीय ध्वज ने आयोजन में देशभक्ति का उत्साह बढ़ा दिया।

अपने संबोधन में प्रोफेसर कालरा ने स्वतंत्रता दिवस के सही अर्थ और दयालबाग़ शिक्षण संस्थान की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने बदलती परिस्थितियों और समवर्ती समस्याओं और संदर्भों के अनुरूप स्वतंत्रता के नए आयामों और परिभाषाओं की पहचान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छात्रों को सामान्य रूप से समाज और दुनिया भर की समस्याओं को हल करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए भी प्रेरित किया। मार्च पास्ट प्रतियोगिता में डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज और डी.ई.आई. टेक्निकल कॉलेज को विजेता शील्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, डी.ई.आई. नर्सरी एंड प्ले सेंटर, डी.ई.आई. पीवी प्राइमरी स्कूल और सरन आश्रम स्कूल की टुकड़ियों के सदस्यों को विशेष पुरस्कार दिए गए। 'मेरी माटी मेरा देश' राष्ट्रव्यापी अभियान के तत्वावधान में डी.ई.आई. की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मिट्टी की मूर्ति निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और इस अवसर पर इस प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस प्रतियोगिता में दीक्षा सिंह और रीना वर्मा (कला संकाय) और निहार सतसंगी (विज्ञान संकाय) क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों के समापन पर वृक्षारोपण का भी आयोजन किया गया, जिसमें डी.ई.आई. की अकादमिक परिषद के सदस्य इंजीनियर जमुना प्रसाद और सरन आश्रम अस्पताल, दयालबाग़ के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक सहाय ने पौधे लगाए।

इस अवसर पर संस्थान के रजिस्ट्रार प्रोफेसर आनंद मोहन, संस्थान की कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, सभी संकायों के डीन, डी.ई.आई. स्कूलों के प्राचार्य, विभागों के प्रमुखों के अलावा संस्थान के अन्य स्टाफ सदस्य, डी.ई.आई. छात्रों की एक बड़ी संख्या के साथ उपस्थित थे।

(आई–सी–एन–सी) टॉल में होने वाली गतिविधियों पर रिपोर्ट

- परमपिता परमेश्वर की कृपा और आशीर्वाद से, इन्फॉर्मेशन–कम्यूनिकेशन –न्यूरो–कॉग्निटिव टेक्नोलॉजीज़ असिस्टेड लैंग्वेज लैब (आई–सी–एन–सी) टॉल ने 11 जुलाई, 2023 में उत्तरी अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल और डी.ई.आई. के छात्रों के साथ ''इंटरेक्शन इन देवभाषा संस्कृत'' पर एक सत्र का आयोजन किया। इस बातचीत सत्र में 40 से अधिक शिक्षार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्कृत में संस्थान प्रार्थना – 'हे दयालु सदा कृपालु' से हुई। डॉ. बानी दयाल धीर, समन्वयक (आई–सी–एन–सी) टॉल ने संस्कृत भाषा की महिमा को प्रसारित करने में (आई–सी–एन–सी) टॉल की सुविधाओं और पहलों पर प्रकाश डालते हुए एक मनोरम प्रस्तुति दी। अटलांटा (यू एस ए) में संस्कृत भाषा कार्यक्रमों की समन्वयक डॉ. मधुलिका नेमानी ने दर्शकों को डी.ई.आई. संस्कृत विभाग के संकाय सदस्यों के सहयोग से अटलांटा और सतसंग संस्कृति विकास केंद्र (एस सी डी सी) टीम द्वारा संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने हेतु उत्तरी अमेरिका में की जा रही पहल (initiative) से अवगत कराया। प्रोफेसर मीरा शर्मा, एमेरिटस प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, डी.ई.आई. ने सभी को संस्कृत सीखने के लिए प्रेरित किया। इंटरेक्शन सत्र का संचालन प्रोफेसर मीरा शर्मा, डॉ. बानी दयाल धीर और डॉ. शोभा भारद्वाज ने किया।

- (आई–सी–एन–सी) टॉल ने 7 से 16 जून, 2023 तक डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज के छात्रों के लिए स्पोकन संस्कृत पर दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का भी आयोजन किया। छात्रों को संस्कृत में बातचीत के व्यावहारिक सत्रों के साथ संस्कृत भाषा की बारीकियां सिखाई गईं। (आई–सी–एन–सी) टॉल की समन्वयक डॉ. बानी दयाल धीर ने प्रतिभागियों को टॉल में उपलब्ध संस्कृत शिक्षण सॉफ्टवेयर और अन्य डिजिटल उपकरणों से अवगत कराया। कार्यशाला का सफल संचालन डी.ई.आई. के संस्कृत विभाग की प्रोफेसर मीरा शर्मा एवं डॉ. शोभा भारद्वाज ने किया।
- 22 मई से 6 जून, 2023 तक डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज और आर.ई.आई इंटर कॉलेज के ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए स्पोकन इंग्लिश पर एक क्रैश कोर्स आयोजित किया गया था। तकनीकी कॉलेज प्रथम वर्ष के कुछ छात्र भी शामिल हुए। पाठ्यक्रम (आई–सी–एन–सी) टॉल के सक्रिय सहयोग से आयोजित किया गया, जहाँ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए। पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों ने विभिन्न अंग्रेजी भाषा संरचनाओं का अभ्यास करने के लिए वर्ड्सवर्थ भाषा प्रणाली का उपयोग किया। यह सॉफ्टवेयर बेहद इंटरैक्टिव है, जो छात्रों को उनकी गलतियों को पहचानने और सुधार करने में मदद करता है। फिल्मों की स्क्रीनिंग, डिस्कवरी चैनल के एपिसोड आदि जैसे ऑडियो–विज़ुअल के माध्यम से पाठ्यक्रम को और भी दिलचस्प बनाया गया था। छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया, और प्रयोगशाला में आयोजित सत्रों ने पाठ्यक्रम को सफल बनाने में काफी मदद की।

डी.ई.आई. आई.सी.टी. Continuing Education केंद्र: सफलता की दास्ताँ

डी.ई.आई. एस.एस.बी. (सर्विस सिलेक्शन बोर्ड) प्रशिक्षण कार्यक्रम के दो प्रशिक्षुओं, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की प्राची यादव और संजना चाहर, इंजीनियरिंग संकाय, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, 2019–23 बैच, ने ए.एफ.सी.ए.टी. (एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट) और सी.डी.एस. (कम्बाइन्ड डिफेन्स सर्विसेस) 2022–23 में रक्षा प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है।

प्राची का चयन नेवी टेक और हाल ही में एस.एस.सी.डब्ल्यू महिलाओं (Short-Service Commission for Women) के लिए लघु सेवा आयोग) के माध्यम से भी हुआ था। सी.डी.एस. परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अप्रैल 2023 में भोपाल में उनकी सिफारिश की गई थी। फिर, जून में, वह बैंगलोर से इंजीनियरिंग छात्रों के लिए सीधी तकनीकी प्रवेश परीक्षा में शामिल हुई और एक बार फिर उसकी सिफारिश की गई। दूसरी ओर, मार्च 2023 में एयर फोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट (ए.एफ.सी.ए.टी.) पास करने के बाद जून 2023 में वायु सेना चयन बोर्ड (ए.एफ.एस.बी), देहरादून द्वारा संजना की सिफारिश की गई है। दोनों युवतियों ने मार्गदर्शन के साथ–साथ अपने महान दृढ़ संकल्प के साथ डी.ई.आई. एस.एस.बी. प्रशिक्षण कार्यक्रम से, क्रमशः अपने तीसरे और चौथे प्रयास में सेवा चयन बोर्ड (एस.एस.बी.) के लिए सफलतापूर्वक अर्हता प्राप्त की है।

संकाय समाचार

डी.ई.आई. फैकल्टी ऑफ इंटीग्रेटेड मेडिसिन (आयुष) आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी

मेडिसिन विभाग, आयुष ने 25 मई, 2023 को एक कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. अरुण कुमार गुप्ता (रेडियोलॉजिस्ट, सरन आश्रम अस्पताल), डॉ. सिद्धार्थ अग्रवाल, (समन्वयक, सरन आश्रम अस्पताल), और डॉ. सपना अग्रवाल (पैथोलॉजिस्ट, आयुष) मुख्य वक्ता थे। छात्रावास में सभी शिक्षण एवं गैर–शिक्षण कर्मचारियों ने भाग लिया, जो चिकित्सा अभ्यास के संबंध में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था। सीखने के लिए एक विशेषज्ञ के वैज्ञानिक व्याख्यान को आधार बनाया गया था। विद्यार्थियों द्वारा चुने गए विषय (लिवर सिरोसिस, कैंसर, डायबिटिक फुट, नेफ्रोलिथियासिस और डाउन सिंड्रोम से संबंधित) पर प्रेजेंटेशन भी दिए गए। विद्यार्थियों को विशेषज्ञों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र में सहभागिता का अवसर प्राप्त हुआ ।

समाज विज्ञान संकाय:

कर्मचारी समाचार:

2023 के ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान सामाजिक विज्ञान संकाय के प्रबंधन विभाग की प्रोफेसर सुमिता श्रीवास्तव ने स्पेन के सेविल विश्वविद्यालय में एप्लाइड बिजनेस इकोनॉमिक्स विभाग में विज़िटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने चार समृद्ध सप्ताह बिताए। यह अवसर उनके अनुसंधान सहयोगी, प्रो. फ्रांसिस्को लिनन के निमंत्रण के माध्यम से प्राप्त हुआ। अपनी यात्रा के दौरान, उन्हें उद्यमिता में आई.सी.टी. (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) की भूमिका पर केंद्रित एक परियोजना पर प्रोफेसर लिनन की शोध टीम के साथ सहयोग करने का सौभाग्य मिला। अपनी शोध गतिविधियों के अलावा, प्रोफेसर श्रीवास्तव को 5 जून, 2023 को सेविल विश्वविद्यालय में 'क्वालिटेटिव रिसर्च मेथड्स इन सोशल साइंस' पर एक सेमिनार में व्याख्यान देने के लिए भी आमंत्रित किया गया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एक शोधार्थी येसिका बेलेन अबुलाराच की mentoring शुरू की, जो वर्तमान में सेविल विश्वविद्यालय में नामांकित हैं।

डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय:

स्कूल समाचार:

कक्षा 6 से कक्षा 12 (जिसे दिसंबर, 2023 में कक्षा 5 से कक्षा 12 तक बढ़ा दिया जाएगा) तक के छात्रों को व्यावहारिक प्रयोगशाला अनुभव देने के लिए 22 से 28 मई, 2023 तक डी.ई.आई. लैब में 'पायथन कोडिंग लैंग्वेज' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में, छात्रों ने पायथन का उपयोग करके पायथन भाषा और प्लॉटिंग ग्राफ, इमेज एडिटिंग आदि की मूल बातें सीखीं।

छात्रों की उपलब्धियाँ: कक्षा 9 की जियान्शी सतसंगी ने द्वितीय स्तर के अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड के लिए अर्हता प्राप्त की है। उन्होंने 563वीं जोनल रैंक हासिल कर बेहतरीन प्रदर्शन किया। 12वीं कक्षा की आशना सूरी और 11वीं कक्षा की कोमल गुप्ता ने दूसरे स्तर के राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड के लिए क्वालीफाई किया है। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उन्हें क्रमशः 62 वीं और 308वीं जोनल रैंक हासिल करने में मदद की।

खण्ड 'ख' : डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा

कोऑर्डिनेटर की डेस्क से

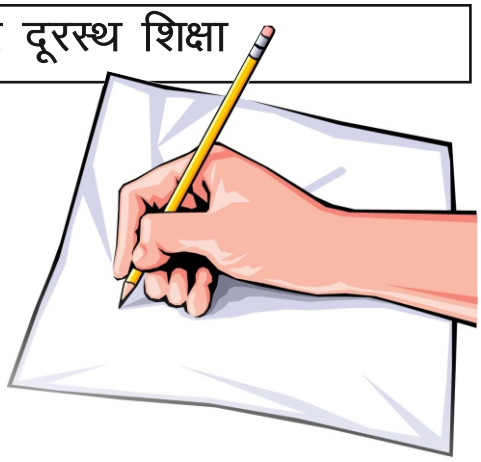

वर्ष 2020 में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण विकास (developments) हुए: (i) 29 जुलाई, 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन ई पी) का प्रक्षेपण (launching) और (ii) 4 सितंबर, 2020 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (मुक्त और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम और ऑनलाइन कार्यक्रम) विनियम की घोषणा* (*किसी चीज की सार्वजनिक घोषणा, विशेष रूप से एक नए कानूनः की सबसे वरिष्ठ प्रोफेसर का मतलब वरिष्ठता सूची के शीर्ष पर मौजूद व्यक्ति नहीं है)। इन दोनों दस्तावेजों को DEI के संबंधित वैधानिक निकायों द्वारा कार्यान्वयन के लिए नोट कर लिया गया था।

DEI का दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम अपनी स्थापना के समय वर्ष 2004 से ही ODL मोड में संचालित किया जा रहा था। 16 मई, 2020 को आयोजित शिक्षा सलाहकार समिति की बैठक में, हमें हमारे डिग्री–स्तरीय कार्यक्रमों को ऑनलाइन मोड में संचालित करने के लिए अनुग्रहपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ 'जो मुख्यालय के प्रबंधित विभिन्न स्थानों पर पर्यवेक्षक की उपस्थिति द्वारा पर्यवेक्षण किए जाने में अन्य स्थानों से भिन्न है।

ऑनलाइन कार्यक्रमों पर सितंबर, 2020 के यू जी सी विनियमों में NAAC स्कोर 3.26 और उससे ऊपर वाले HEIs को यू.जी.सी. की पूर्वानुमति के बिना पूर्ण–ऑनलाइन कार्यक्रम शुरू करने के लिए अनुमति दी गई है। हमने 3 यू जी डिग्री स्तर और 2 पी जी डिग्री स्तर के यू.जी.सी.–अधिकृत कार्यक्रमों का विकल्प चुना। ये थेः बी.कॉम (ऑनर्स), बी. बी.ए., बी.ए. (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान, एम.ए. (Theology) और एम.कॉम।

एन ई पी 2020 ने डिग्री–स्तरीय कार्यक्रमों में काफी लचीलापन प्रस्तावित किया है, जैसा कि नीचे वर्णित हैः

<u>स्नातक (यू जी) कार्यक्रम</u>

जबकि पहले, यूजी कार्यक्रम 3–वर्ष की अवधि के थे, एन ई पी – 2020 ने दो प्रकार के यू जी प्रोग्राम का प्रस्ताव दिया है – डिग्री पाठ्यक्रम – 3 या 4 साल की अवधि के, इस अवधि के भीतर कई निकास (exit) विकल्पों के साथ उपयुक्त प्रमाणन, उदाहरण के लिए किसी discipline या क्षेत्र में एक वर्ष पूरा करने के बाद प्रमाण पत्र व्यावसायिक क्षेत्र या दो साल के अध्ययन के बाद डिप्लोमा या तीन साल के बाद स्नातक की डिग्री वार्षिक कार्यक्रम। हालाँकि, चार वर्षीय बहुविषयक स्नातक कार्यक्रम पसंदीदा विकल्प होगा क्योंकि यह समग्र और बहु–विषयक शिक्षा की पूरी श्रृंखला का अनुभव करने का अवसर देता है।

<u>स्नातकोत्तर (पी जी) कार्यक्रम</u>

जबकि पहले, पी जी कार्यक्रम 2–वर्ष की अवधि के थे, एन ई पी – 2020 ने तीन विषेशताओं का सुझाव दिया है इन Master's कार्यक्रमों कोः

(i) उन लोगों के लिए जिन्होंने तीन वर्षीय स्नातक कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, दो वर्षीय दूसरे वर्ष के साथ मास्टर कार्यक्रम पूरी तरह से अनुसंधान के लिए समर्पित,

(ii) उन लोगों के लिए जिन्होंने अनुसंधान के साथ 4 साल का स्नातक कार्यक्रम पूरा कर लिया है, 1 साल का मास्टर कार्यक्रम, और

(iii) एक एकीकृत 5–वर्षीय स्नातक / परास्नातक कार्यक्रम हो सकता है।

पी एच.डी करने के लिए या तो मास्टर डिग्री या शोध के साथ 4 साल की बैचलर डिग्री की आवश्यकता होगी। एम.फिल. (M.Phil.) कार्यक्रम बंद कर दिया जाएगा.

एन ई पी 2020 ने निम्नलिखित एक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना की भी सिफारिश की है :

अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट

अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (ए बी सी) को विभिन्न मान्यता प्राप्त एच ई आई से अर्जित अकादमिक क्रेडिट को डिजिटल रूप से संग्रहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि एच ई आई से डिग्री अर्जित क्रेडिट को ध्यान में रखते हुए प्रदान की जा सके। यदि छात्र एच ई आई द्वारा निर्दिष्ट अध्ययन के अपने प्रमुख क्षेत्र में एक कठोर शोध परियोजना पूरी कर लेता है तो 4 साल के कार्यक्रम में शोध के साथ डिग्री भी मिल सकती है।

इन कार्यक्रमों के लिए सामग्री विकसित करने और हमारे ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म को अपडेट करने के लिए काफी मात्रा में प्रारंभिक कार्य किया गया था। फिर पांच कार्यक्रमों में छात्रों को प्रवेश देने के बाद, उन सभी को ए बी सी में विधिवत पंजीकृत किया गया और उनके परिणाम भी ए बी सी में जमा किए जा रहे हैं।

(प्रो. वी.बी. गुप्ता)

नोटः अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया एन ई पी–2020 दस्तावेज देखें।

DEI: उद्यमिता के लिए आदिवासी महिलाओं को प्रशिक्षण

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (DEI) आगरा, पिछले कुछ दशकों से छात्रों और महिलाओं को कौशल प्रदान कर रहा है। कमांडेंट 02 बटालियन, सी आर पी एफ, सबरी नगर, सुकमा, छत्तीसगढ़ के कार्यालय ने लगभग 30 अत्यधिक पिछड़ी और आदिवासी महिलाओं को कौशल प्रदान करने के अनुरोध के साथ संस्थान के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (डी.ई.पी.) के अधिकारियों से संपर्क किया था। इस इकाई ने इस क्षेत्र के स्थानीय आदिवासी / गैर–आदिवासी युवाओं को उद्यमिता और स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाने के लिए प्रशिक्षित करने की पहल की है। संस्थान अपने स्थान पर सिलाई संचालन पर 9–सप्ताह का स्टैंड–अलोन मॉड्यूल संचालित करने के लिए सहमत हो गया है। 14.09.2023 को आयोजित अकादमिक परिषद की बैठक में उनके स्थान पर सिलाई संचालन पर 9–सप्ताह का स्टैंड–अलोन मॉड्यूल आयोजित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी।

इसके लिए, एक प्रशिक्षित सलाहकार जिन्हें कई वर्षों तक सिलाई सिखाने का अनुभव प्राप्त है को पाठ्यक्रम के कार्यक्रम समन्वयक के मार्गदर्शन में सुकमा के गादीरास क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया है। उचित प्रवेश प्रक्रिया के बाद, समूह की कक्षाएं (मुख्य रूप से आदिवासी और ओ बी सी महिलाएं शामिल हैं) 25 जुलाई, 2023 (GEN-1, OBC-15, SC-1 and ST-9) से शुरू कर दी गई हैं।

पाठ्यक्रम सामग्री में ऐसे परिधानों की सिलाई का कौशल शामिल होगा जिनका पर्याप्त स्थानीय उपयोग और बाजार हो। यह सामग्री महिलाओं को उच्च गुणवत्ता वाले, सामाजिक रूप से स्वीकार्य और विपणन योग्य परिधान तैयार करने के लिए तैयार करेगी। गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के साथ टिकाऊ बाजार से संबंधित प्रशिक्षण भी शामिल किया जाएगा। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल महिलाओं को कुशल बनाना है बल्कि उन्हें ऐसे दूरस्थ स्थान पर एक सामाजिक उद्यम स्थापित करने के स्तर तक ले जाना है। यह अंतिम, सबसे पीछे, सबसे निचले और खोये मानव जाति के बीच हुए लोगों तक पहुंचने की एक पहल है। यह प्रयास महिलाओं के समूह को संवेदनशील बनाएगा और उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता के लिए सशक्त बनाएगा।

सूचना केन्द्रों से समाचार

विभिन्न डी.ई.आई. केंद्रों में स्वतंत्रता दिवस समारोह

गादीरास (सुकमा) में सी आर पी एफ के सभी छात्रों और कर्मचारियों के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय ध्वज सहायक कमांडेंट प्रज्वल एन पी ने फहराया। छात्रों और सी आर पी एफ स्टाफ द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। प्रार्थना के बाद विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सी आर पी एफ की ओर से छात्रों के बीच नाश्ता और मिठाई का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री रतिकांत बेहरा, कमांडेंट द्वितीय बटालियन सी आर पी एफ, और श्री अनामी शरण, द्वितीय कमान, द्वितीय बटालियन सी आर पी एफ, सबरी नगर, सुकमा, छत्तीसगढ़ की देखरेख में किया गया था।

अटलांटा अध्ययन केंद्र ने 77वां भारतीय स्वतंत्रता दिवस देशभक्तिपूर्ण उत्साह और जोश के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत मार्च पास्ट से हुई। सभी बच्चों और वयस्कों ने पहले भारतीय राष्ट्रगान 'जन गण मन' और बाद में अमेरिकी राष्ट्रगान 'स्टार स्पैंगल्ड बैनर' गाया। निस्संदेह उत्सव का एक आकर्षण, अटलांटा शाखा के बच्चों ने प्रतिष्ठित भारतीय देशभक्ति गीत 'नन्हा मुन्ना राही हूं देश का सिपाही हूं' के भावपूर्ण प्रदर्शन के साथ केंद्र मंच पर कब्जा कर लिया। इसके बाद, माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उल्लिखित 'विजन भारत 2030' के 10 आयामों पर केंद्रित एक प्रस्तुति के माध्यम से एक बौद्धिक आयाम को इस कार्यक्रम में सहजता से एकीकृत किया गया। कार्यक्रम का समापन संस्कृत में प्रस्तुत प्रार्थना के साथ हुआ। उत्साह बढ़ाने के लिए, उपस्थित लोगों को तिरंगे सैंडविच और स्वादिष्ट मिठाईयाँ खिलाई गई।

77वीं स्वतंत्रता के अवसर पर, **डी.ई.आई. आई सी टी सेंटर, जमशेदपुर** के कर्मचारियों और छात्रों ने इसे उच्च उत्साह, देशभक्ति की भावना और अपार खुशी के साथ मनाया। विद्यार्थियों ने नवोन्मेषी पोस्टर बनाए और हॉल तथा परिसर को सुंदर ढंग से सजाया। डी.ई.आई. मुख्य परिसर से ध्वजारोहण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण प्राप्त हुआ। इसके बाद, स्थानीय उत्सव हुआ जिसमें छात्रों ने देशभक्ति गीत गाकर और प्रेरक भाषण देकर भाग लिया। संकायों ने अपनी अंतर्दृष्टि व्यक्त की और छात्रों को समाज के जिम्मेदार नागरिक और डी.ई.आई. के ब्रांड एंबेसेडर बनने के लिए प्रेरित किया। छात्रों और संकाय सदस्यों ने 13 से 15 अगस्त 2023 तक भारत सरकार के आदेश पर 'मेरी माटी, मेरा देश' और 'हर घर तिरंगा अभियान' में भी भाग लिया। उन्होनें सरकारी वेबसाइट पर झंडे लगाए, सेल्फी अपलोड की और भागीदारी के प्रमाण पत्र तैयार किए गए। कार्यक्रम का समापन सी आई सी के धन्यवाद प्रस्ताव और सभा में मिठाइयों और स्नैक्स के वितरण के साथ हुआ।

टोरंटो सेंटर के सदस्यों ने 15 अगस्त 2023 को भारतीय स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। इस कार्यक्रम को देशभक्ति और उत्साह की गहरी भावना से चिह्नित किया गया था। कार्यवाही संस्थान की प्रार्थना के साथ शुरू हुई, जिसके बाद भारतीय राष्ट्रगान और कनाडाई राष्ट्रगान दोनों की प्रस्तुति हुई। इस कार्यक्रम में 40 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें 10 बच्चे और ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग मोड के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लेने वाले 15 अन्य लोग शामिल थे। स्थानीय सत्संग शाखा के बच्चों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियाँ दीं। सुपरह्यूमन ब्रिगेड के एक सदस्य द्वारा एक मनोरम एकल नृत्य प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें स्वतंत्रता की भावना समाहित थी। साथ ही बच्चों ने मार्मिक देशभक्ति कविताएं सुनाईं। इसके बाद एक बच्चे द्वारा भारतीय इतिहास पर एक आकर्षक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई और उपस्थित सभी लोगों ने बड़े उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। एक मार्मिक क्षण तब सामने आया जब एक वरिष्ठ सदस्य ने 1947 के ऐतिहासिक स्वतंत्रता दिवस के दौरान अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। उन्होंने अपने परिवार के पाकिस्तान से दयालबाग़ प्रवास के बारे में बताते हुए उस युग के दौरान किए गए बलिदानों के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के समापन में सभी शाखा सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने प्रतिष्ठित देशभक्ति गीत 'मेरे देश की धरती' गाया।

डी.ई.आई. सूचना केंद्र करोलबाग में कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई और उसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। विद्यार्थियों ने मधुर देशभक्ति गीत सुनाए जिससे वातावरण गौरव और भक्ति से भर गया। कार्यक्रम में आईएआरआई, पूसा के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. भूपिंदर सिंह और डॉ. (श्रीमती) के. उषा की उपस्थिति रही। कुछ पूर्व छात्रों को रक्तदान जैसी सामाजिक सेवा में उनके योगदान के लिए सराहना और मान्यता दी गई। इस अवसर पर केंद्र प्रभारी ने हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उपस्थित सभी लोगों को राष्ट्र निर्माण में हर संभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन विश्वविद्यालय गीत के साथ हुआ।

डी.ई.आई. सूचना केंद्र रूड़की ने 77वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। पूरे केंद्र परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। व्याख्यान कक्ष छात्रों, शिक्षकों और मेहमानों से पूरी क्षमता से भरा हुआ था। केंद्र प्रभारी प्रोफेसर वी. हुजूर सरन ने अपने स्वागत भाषण में सभा को इस दिन के महत्व के बारे में बताया। केंद्र के शिक्षकों और छात्रों द्वारा समूह और एकल में देशभक्ति गीत गाए गए। Guest faculty श्री वी. अगम द्वारा देशभक्ति गीतों का मिश्रण प्रस्तुत किया गया। केन्द्र के दो मार्गदर्शक श्री प्रदीप कुमार एवं श्री पवन भटनागर ने अपने भाषणों से विद्यार्थियों को देश सेवा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन विश्वविद्यालय गीत के गायन के साथ हुआ। अंत में, केंद्र में तैयार अहोभाग (कृषि–होम्योपैथी आधारित जैविक वनस्पति उद्यान) की कालमेघ की मिठाइयाँ और जैविक काढ़ा उपस्थित लोगों को वितरित किया गया।

न्यूयॉर्क सेंटर ने 1947 में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से भारत की आजादी की याद में न्यूयॉर्क सतसंग घर में भारत का स्वतंत्रता दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत सभा द्वारा राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ हुई। इसके बाद बच्चों ने जोशीले और ज्ञानवर्धक भाषण दिए, जिसमें इस ऐतिहासिक दिन के महत्व पर जोर दिया गया। तिरंगे के प्रति उत्साह और गर्व से भरे सभी उम्र के बच्चों ने ''वंदे मातरम'' बोर्ड के साथ एक एक्शन गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन ''ऐ वतन वतन मेरे आबाद रहे तू'' गीत की सामूहिक प्रस्तुति के साथ हुआ।

सूचना केन्द्र मुरार में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उत्सव में भाग लेने के लिए सतसंग कॉलोनी के निवासियों, छात्रों के अभिभावकों और अन्य लोगों को आमंत्रित किया गया था। डीडीटी के विद्यार्थियों ने समूह गीत ''देश मेरा है मस्त–मस्त'' प्रस्तुत किया। इलेक्ट्रीशियन छात्रों ने समूह गीत ''वंदे मातरम'' प्रस्तुत किया, और सुश्री खदीजा खातून ने स्वतंत्रता दिवस पर एक कविता प्रस्तुत की। इसके बाद सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और कॉलोनीवासियों ने डी.ई.आई. से स्वतंत्रता दिवस का लाइव प्रसारण देखा।

डी.ई.आई. चेन्नई सूचना केंद्र में, कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय प्रार्थना के साथ हुई और उसके बाद स्वागत भाषण हुआ। चेन्नई केंद्र के संकाय सदस्यों और छात्रों द्वारा पाठ किया गया। भारत की स्वतंत्रता के इतिहास की जानकारी और स्वतंत्र भारत में शिक्षा के महत्व पर कविता का पाठ युवा संघ के सदस्यों द्वारा साझा किया गया, और शाखा के बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व के बारे में अपने विचार साझा किए। इसके बाद धन्यवाद ज्ञापन, विश्वविद्यालय गीत और मिठाई का वितरण किया गया।

DEI के पूर्व छात्रों और **शिकागो अध्ययन केंद्र** के सदस्यों ने भारत का 77 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया, जिसमें इंडियानापोलिस, ओहायो, मिशिगन, आयोवा और इलिनोएस जैसे विभिन्न राज्यों के कई शाखा सदस्य जूम पर दूर से जुड़े हुए थे। समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय प्रार्थना से हुई, जिसके बाद केंद्र प्रभारी द्वारा 'तिरंगे के इतिहास' पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी गई, इसके बाद बच्चों द्वारा सुभाष चंद्र बोस, जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे भारतीय राष्ट्रीय नायकों पर एक प्रस्तुति दी गई। डी.ई.आई. के पूर्व छात्रों ने 'दयालबाग़–गार्डन ऑफ द मर्सीफुल' पुस्तक से परम पावन 'साहबजी महाराज' के बच्चों के अंश भी पढ़े। बाद में, शिकागो शाखा के शाखा सचिव ने भारत के 'विश्व गुरु' के रूप में उभरने और इसकी आर्थिक उपलब्धियों पर बहुमूल्य जानकारी साझा की।

खण्ड 'ग' : डी.ई.आई के पूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI)

संपादक की डेस्क से

भारत के 76 वर्ष पूरे होने के जश्न के आसपास उत्सव और देशभक्ति के उत्साह के बीच स्वतंत्रता, हम आत्म असंतुष्ट होने का जोखिम नहीं उठा सकते। आगे बहुत काम बाकी है, खासकर शिक्षकों और सम्मानजनक अतिथियों के लिए और युवा, जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों की एक पीढ़ी के पोषण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सच्चे अर्थों में शांति, सहिष्णुता और स्वतंत्रता के युग की शुरुआत करके भविष्य को आकार दे सकता है।

इस अंक में मेंटरिंग एक्सीलेंस प्रोग्राम पर फीडबैक, लेख और पूर्व छात्रों के बाइट्स शामिल हैं जो सभी सफलता की कहानियों की ओर इशारा करते हैं – सफलता सांसारिक अर्थों में नहीं बल्कि जीवन की चुनौतियों का साहस के साथ सामना करने की क्षमता में है। दयालबाग़ और इसके संस्थानों के शांत वातावरण में अनुग्रह और दया की आभा व्याप्त है–यहां शिक्षा चाहने वाले सभी लोगों को इस आश्वासन के साथ आशीर्वाद दें कि, ''एक मजबूत आशावाद के सामने, एक दृढ़ संकल्प इच्छाशक्ति और शुद्ध हृदय से सभी कठिनाइयाँ दूर हो जाती हैं और जीवन की प्रगति के रास्ते में आने वाली सभी बाधाएँ गायब हो जाती हैं।'' [1]

[1] परम गुरु हुजूर साहबजी महाराज, समापन भाषण, दयालबाग़ स्काउट मेला, 30 दिसंबर, 1935

जादूई लैम्प (The Magic Lamp)

विधि निगम
बैचः बी.एस.सी, एम.एस.सी., एम.फिल, कंम्यूटर साइंस (2004–2010)
वर्तमान में, प्रोजेक्ट मैनेजर, क्वेस्ट ग्लोबल

डी.ई.आई. में हमेशा शारीरिक, बौद्धिक, भावनात्मक और नैतिक एकीकरण लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। एक ऐसा व्यक्ति जिसका लक्ष्य एक संपूर्ण मानव का विकास करना है, जिसके पास मानवतावाद के बुनियादी मूल्य हों – धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र – और जो सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों को पूर्ण रूप से प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो जैसा कि संस्थापक निदेशक, श्रद्धेय डॉ एमबी लाल साहब द्वारा तैयार किया गया था। पर, इस प्रष्ठभूमि में छात्रों को कुछ सीमित विषयों पर सुरंगनुमा फोकस के बदले हमेशा प्रोत्साहित किया जाता है विभिन्न सहायक पाठ्यक्रमों, मुख्य पाठ्यक्रमों और कार्य अनुभव पाठ्यक्रमों के माध्यम से कि वे सभी पहलुओं का पता लगायें जिससे उनको विकास का अवसर मिले। यह केवल पेशेवर दुनिया में कदम रखने के बाद, मुझे यह एहसास हुआ क्या मेरे पास मौजूद ''जादुई लैम्प'' की शक्ति है।

बाद में जब मैंने अपना करियर शुरू किया, तो मुझे शुरू में ही पता चल गया कि अगर कोई अलग दिखना चाहता है और सफल होना चाहता है, तो उसे अतिरिक्त प्रयास करने और अपना खुद का ब्रांड बनाने की जरूरत है। लेकिन अब मेरे लिए यह आसान काम था क्योंकि DEI से मेरी प्रवृत्ति हमेशा यह देखने की थी कि क्या किया जा सकता है, क्या नया सीखा जा सकता है। प्रत्येक संगठन ऐसे लोगों की तलाश करता है जो अधिक जिम्मेदारियाँ लेने के इच्छुक हों और वे तेजी से आगे बढ़ते रहें। तकनीकी परिदृश्य में परिवर्तन; संक्षेप में, नई चुनौतियों का सामना करने के लिए आराम क्षेत्र से बाहर कहाँ निकलें। हम अधिकांश काम पर दिन–प्रतिदिन की जिम्मेदारियों पर केंद्रित थे, मैंने बड़ी तस्वीर पर ध्यान केंद्रित किया, समझने की कोशिश की, संगठन के रोडमैप बनाए और उन तरीकों का पता लगाया जिनमें मैं और अधिक योगदान दे सकूं। इसका मतलब था अत्याधिक प्रयास के साथ बहुत कुछ पता लगाना, घर पर प्रतिबद्धताओं और जिम्मेदारियों के साथ–साथ अतिरिक्त प्रयास भी किए। लेकिन मेरे ''जादुई लैम्प'' ने यह सब उचित बना दिया। अब मेरे लिए यह संभव है क्योंकि DEI में शिक्षा प्राप्त प्रत्येक छात्र में उद्देश्य की भावना, कड़ी मेहनत करने की क्षमता पैदा होती है और परम गुरु हुजूर साहबजी महाराज द्वारा दिया गया आदर्श निर्देश 'नली सेकेंडस' का उत्साहपूर्वक पालन कर परिणामस्वरूप, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने की मेरी तत्परता के लिए मुझे कई बार सराहना भी मिली है। बहुत कम समय में मैं अपने संगठन में उभरने में सफल हुई। मैं यह नहीं कहूंगी कि यह पार्क में टहलना था लेकिन DEI की शिक्षा ने निश्चित रूप से हर कदम पर मेरी मदद की।

जब मैं अपना करियर शुरू कर रही थी तो मुझे जो दिव्य मार्गदर्शन मिला था, वह मुख्य रूप से सीखने पर ध्यान केंद्रित करना था– मौद्रिक लाभ के बजाय. मैंने इसका अक्षरशः पालन किया है। इसने मुझे जमीन से जोड़े रखा है, मेरा ध्यान केंद्रित रखा। मैं सबसे अच्छा कैसे सीख सकती हूं और सुधार कर सकती हूं। मेरी अल्मा मेटर के प्रति मेरी श्रद्धा और प्रशंसा ने मुझमें एक नई भावना पैदा की है। किसी भी तरह से वापस देने की प्रबल इच्छा और मेरा ज्ञान और अनुभव मेरे पास सबसे अच्छा खजाना है। किस्मत से, मुझे डिस्टेंस लर्निंग सेंटर जमशेदपुर, आई.सी.टी. सेंटर मुरार में मेंटर बनने का अवसर मिला है। डी.ई.आई. द्वारा शुरू किए गए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए ई–सामग्री तैयार करने में भी योगदान दे रही हूँ।

मुझे अल्लादीन जैसा जादुई लैम्प मिल गया है, लेकिन उससे भी बेहतर, क्योंकि मेरे ज्ञान का लैम्प मुझे वैसा ही ज्ञान देगा और मेरी ढेर सारी इच्छाऐं पूरी करता रहेगा जिन्हे मैं जीवन भर चाहती रहूँगी।

परामर्श उत्कृष्टता कार्यक्रमः फीडबैक रिपोर्ट

दिल्ली–एन सी आर टीम द्वारा प्रस्तुत

एम बी ए2022 पास के लिए AADEIs चैप्टर द्वारा समर्पित मेंटरिंग एक्सीलेंस प्रोग्राम पायलट का प्रस्ताव– बैच से बाहर, प्रतिक्रिया मांगी गई थी। जिसका यहाँ सारांश है।

- कार्यक्रम के लिए पंजीकृत प्रशिक्षुओं की संख्याः 23
- परामर्श सत्रों का लाभ उठाने वाले प्रशिक्षुओं की संख्याः 17
- फीडबैक पर प्रतिक्रिया देने वाले प्रशिक्षुओं की संख्याः 12

अधिकांश उत्तरदाताओं ने मेंटरशिप की प्रथा को लागू करने के लिए मजबूत सिफारिशें –दीं डी.ई.आई. के छात्र अपना करियर शुरू करने के लिए तैयार हैं। इससे उन्हें उन्मुख होने के लिए प्रारंभिक मार्गदर्शन प्राप्त करने में मदद मिली है। कॉर्पोरेट जगत और सलाहकारों के समर्थन ने उनकी पहली नौकरी में उनके प्रदर्शन और स्थिरता को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

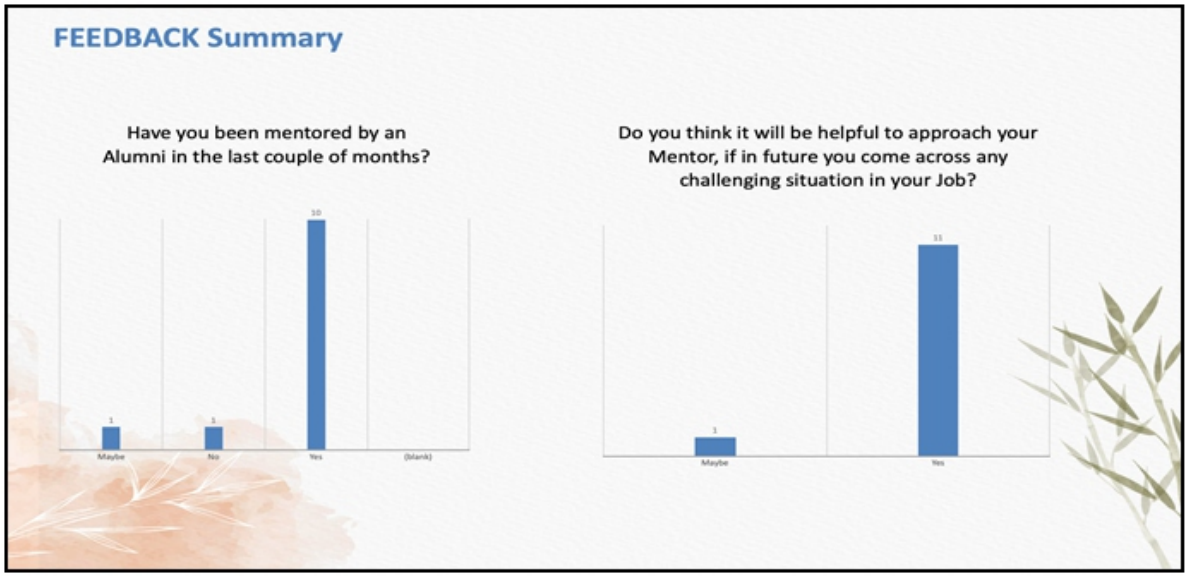

प्रतिभागियों से प्राप्त प्रतिक्रिया टिप्पणियाँ (शब्दशः, **verbatim**):

- ''हमारे सभी गुरुओं को धन्यवाद जिन्होंने मुझे अपना बहुमूल्य समय दिया।''
- "गुरुओं ने वास्तव में किसी उद्योग में आगे बढ़ने से लेकर मेरे आगे बढ़ने के विचारों पर प्रकाश डाला मेरे सबसे बुरे दौर में मुझे पकड़कर रखना, एक सच्चा गुरु ही कर सकता है जिनके मार्गदर्शन के लिए और उसके साथ मुझे बहुत प्रेरित करने के लिए धन्यवाद!
- ''मैं आशा अनुशंसा करता हूं कि हर किसी को उन्हें ऐसे सलाहकार, ही आवंटित किए जाने चाहिए। उनका आभारी रहूंगा।"
- "संरक्षक और शिष्य दोनों को ही संसाधन और प्रशिक्षण प्रदान करें। इसमें प्रभावी प्रशिक्षण संचार, सर्वोत्तम प्रथाओं का मार्गदर्शन, और प्रशिक्षु के लक्ष्यों से संबंधित विशिष्ट कौशल'' शामिल हो सकता है।

- "कृपया क्या उससे हमें अधिक विस्तारित मार्गदर्शन मिल सकता है?" [क्या हम परामर्श सत्र को बढ़ा सकते हैं?]

अगले कदम:

AADEIs चैप्टर संगठन अगले पासिंग आउट बैच की योजना बनाने और उसे लागू करने के लिए डी.ई.आई. के साथ साझेदारी करेगा।

दिल्ली एन सी आर AADEIs चैप्टर टीम से

डी.ई.आई. से पल्लवी सत्संगी शर्मा (एम बी ए–1996 बैच)। वर्तमान में एन एक्स पी सेमीकंडक्टर्स में मानव संसाधन निदेशक

डीईआई से सुवीरा सिन्हा (एम बी ए–2008 बैच)। वर्तमान में ENCALM हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड में महाप्रबंधक–मानव संसाधन।

डी.ई.आई. से सुगम सक्सेना (एम बी ए–2007 बैच)। वर्तमान में इंडिगो एयरलाइंस में सीनियर एच आर लीडर

पूर्व छात्रों की बाइट्स...

"दयालबाग में शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ है..."

"DEI शिक्षण पद्धति और आध्यात्मिक आभा जो दयालबाग़ की कॉलोनी में व्याप्त है मेरे व्यक्तित्व को आकार देने और मुझमें सांसारिक और पेशेवर सामना करने के लिए आत्मविश्वास पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई चुनौतियाँ।

जीवन में अपनी सफलता का पूरा श्रेय दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीटयूट को देना अतिश्योक्ति नहीं होगी।"

साहब नारायण, एम.कॉम, सी एम ए, एम बीए (आ ई बी), बैच: 1985 बी.कॉम, डी.ई.आई.
वर्तमान में, एच ओ डी – ऋण एवं वसूली, निवेश, फिन.कॉर्ड, ट्रस्ट आर ई सी लिमिटेड (एक महारत्न सी पी एस ई)

"मेरे अल्मा मेटर, DEI ने मुझमें आत्म–अनुशासन, आत्म–विश्वास और जीविका की भावना पैदा की है, इस प्रकार, नियमित पाठ्यक्रम के अलावा, विभिन्न सामाजिक सेवा और पाठ्येतर गतिविधियों का अनुभव मूल्यों, आत्मविश्वास, साहस और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ विश्वास पैदा करना। ये रखा है मैं जीवन की सभी स्थितियों में मजबूती से खड़ा हूं।"

आनंद कुमार, बैच 1999 बी.एस.सी. (इंजीनियरिंग), डी.ई.आई.

वर्तमान में, डी जी एम (संचालन), कॉर्पोरेट कार्यालय, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड।

प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड

डी.ई.आई

संरक्षक
प्रो. पी.के. कालरा

मुख्य संपादक
प्रो. जे.के. वर्मा

संपादक
डॉ. सोना दीक्षित
डॉ. सोनल सिंह
डॉ. अक्षय कुमार सत्संगी
डॉ. बानी दयाल धीर

सदस्यों
डॉ. चारु स्वामी
डॉ. नेहा जैन
डॉ. सौम्या सिन्हा
श्री आर.आर. सिंह
प्रो. प्रवीण सक्सेना
प्रो. वी. स्वामी दास
डॉ. रोहित राजवंशी
डॉ. भावना जौहरी

सलाहकार
प्रो. एस.के. चौहान

अनुवादक
डॉ. नमस्या

डी.ई.आई.–ओ.डी.ई. (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

संरक्षक
प्रो. पी.के. कालरा
प्रो. वी.बी. गुप्ता

संपादकीय सलाहकार
प्रो. एस.के. चौहान
प्रो. जे.के. वर्मा

संपादकीय मंडल
डॉ. सोनल सिंह
डॉ. मीना पायदा
डॉ. लॉलीन मल्होत्रा
डॉ. बानी दयाल धीर
श्री राकेश मेहता

अनुवादक
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

डी.ई.आई. Alumni (AADEIs & AAFDEI)

संपादक
प्रो. गुर प्यारी जंडियाल

संपादकीय समिति
डॉ. सरन कुमार सतसंगी,
प्रो. साहब दास
डॉ. बानी दयाल धीर
श्रीमती शिफाली सत्संगी
श्रीमती अरुणा शर्मा
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा
डॉ. गुरप्यारी भटनागर
डॉ. वसंत वुप्पुलुरी

अनुवादक
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा
डॉ. नमस्या

प्रशासनिक कार्यालय:
पहली मंजिल, 63, नेहरू नगर, आगरा –282002

पंजीकृत कार्यालय:
108, साउथ एक्स प्लाजा –1, साउथ एक्सटेंशन पार्ट II, नई दिल्ली–110049

चित्रण, मुद्रण एवं ई–प्रकाशन: दयालबाग़ प्रेस